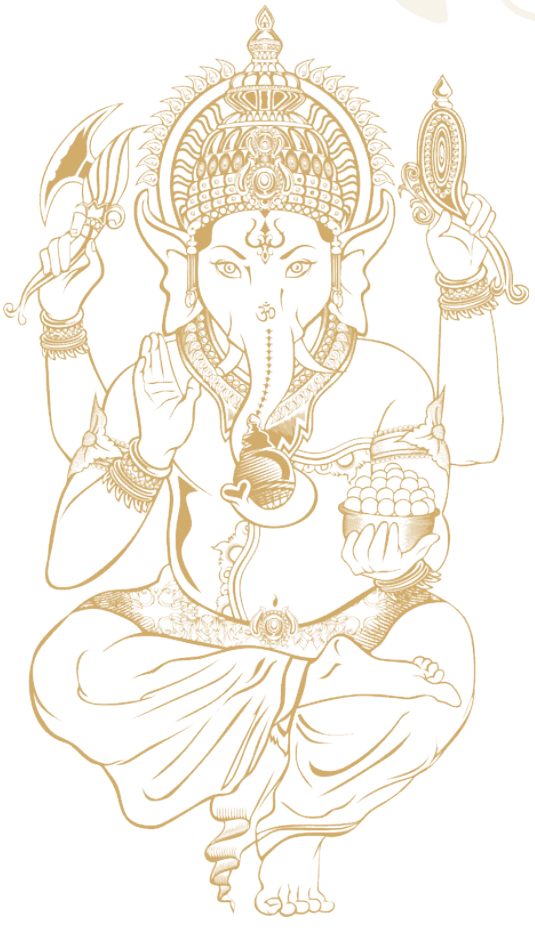

Mr. Utkarsh vaishnav

Ms. Megha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119188905

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/06/2021	जन्म तिथि	07/12/2001
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 08:05:00	जन्म समय	16:15:00 घंटे
घटी 05:57:11	जन्म समय(घटी)	23:22:02 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Dhar
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:32:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:24:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:28:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:42:07	सूर्योदय	06:55:51
19:13:22	सूर्यास्त	17:43:57
24:09:09	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:45

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 5वर्ष 5मा 11दि	04:50:07	कर्क	लग्न	मेष	29:27:47	शुक्र 15वर्ष 2मा 24दि
चन्द्र	03:54:05	मिथु	सूर्य	वृश्चि	21:30:47	चन्द्र
19/06/2021	16:04:04	कन्या	चंद्र	सिंह	16:30:39	03/03/2023
30/11/2026	10:30:00	कर्क	मंगल	कुंभ	05:03:21	02/03/2033
00/00/0000	22:30:23	वृष व	बुध	वृश्चि	22:55:39	चन्द्र 01/01/2024
00/00/0000	08:01:42	कुंभ	गुरु व	मिथु	19:51:59	मंगल 01/08/2024
00/00/0000	26:02:04	मिथु	शुक्र	वृश्चि	12:23:06	राहु 31/01/2026
19/06/2021	18:48:10	मक व	शनि व	वृष	17:17:04	गुरु 02/06/2027
शनि 30/09/2022	16:29:14	वृष	राहु	मिथु	03:20:39	शनि 31/12/2028
बुध 01/03/2024	16:29:14	वृश्चि	केतु	धनु	03:20:39	बुध 02/06/2030
केतु 30/09/2024	19:09:13	मेष	हर्ष	मक	27:37:16	केतु 01/01/2031
शुक्र 01/06/2026	29:02:08	कुंभ	नेप	मक	12:48:27	शुक्र 01/09/2032
सूर्य 30/11/2026	02:03:57	मक व	प्लूटो	वृश्चि	21:14:04	सूर्य 02/03/2033

लग्न-चलित

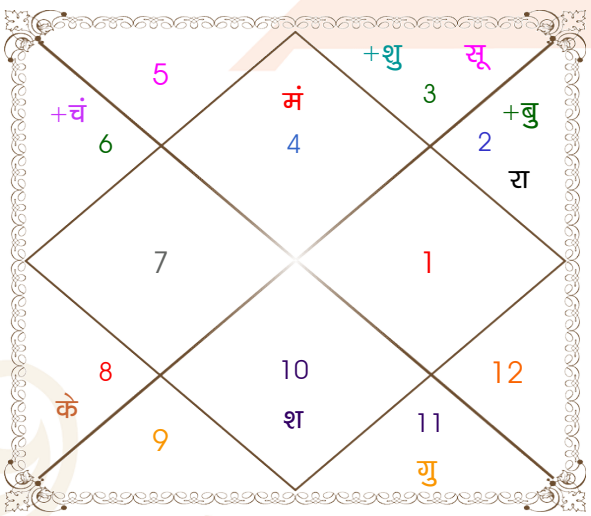

लग्न-चलित

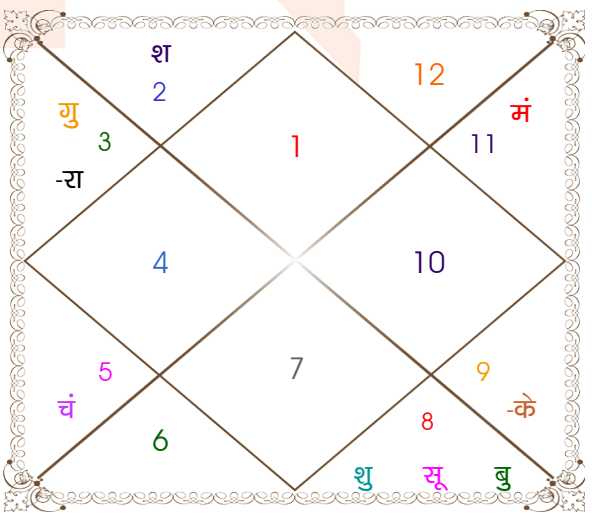

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	सूर्य	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण न्जांतेी अंपेीदंअ का वर्ग मेष है तथा डेण डमहीं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण न्जांतेी अंपेीदंअ और डेण डमहीं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण न्जांतेी अंपेीदंअ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण न्जांतेी अंपेीदंअ कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण डमहीं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण डमहीं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण् न्जांतेी अंपेीदंअ तथा डेण् डमहीं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।